

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) का उन्तर नकारात्मक हो, तो बिलम्ब के क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० झाह) : (क) श्री (ख) विदेशों में प्रयात किए जाने वाले 15 शक्तिशाली ट्रांसमिटर्स में में 4 प्राप्त हो चुके हैं। इन चार ट्रांसमिटर्स में 3 दो ट्रांसमिटर, एक जलंधर में और दूसरा कलकत्ता में, लगाने का काम चालू स्थान में पूरा हो जाने का प्रयास है। उम्मीद है कि शेष 13 ट्रांसमिटर अगले तीन सालों के दौरान चालू हो जाएंगे।

(ग) साज सामान के प्राप्ति होने में कोई अनावश्यक देरी नहीं हुई है।

प्रदेशिक भाषाओं में कार्यक्रम

29. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि धाकाजवाणी के पटना केन्द्र से सगही, मैथिली और भोजपुरी में भी कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं ;

(ख) यदि हां, तो 1966 में इन भाषाओं के प्रत्येक कार्यक्रम के प्रसारण के लिए प्रत्येक महीने कितना कितना समय निर्धारित किया गया ;

(ग) उपर्युक्त प्रश्नों में धाकाजवाणी के गांठ केन्द्र से प्रसारित किये गये कार्यक्रमों का व्यय क्या है ; और

(घ) क्या धाकाजवाणी के भागलपुर केन्द्र से प्रसारण चालू हो गये हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० झाह) : (क) जी, हां।

(ख) प्रत्येक कार्यक्रम की मासिक सीमित अवधि इस प्रकार है :—

मधुही **बीचिली** **बीकानपुरी**
250 मिनट 650 मिनट 300 मिनट

(ग) रांची केन्द्र से इन बोलियों में, नियमित रूप से कार्यक्रम प्रसारित नहीं होते, सिवा लोकगीतों के जो सप्ताह में एक बार इन में से किसी बोली में होते हैं।

(घ) जी, हां।

भारतीय सांख्यिकीय संस्थान

30. श्री अन्नाहनुम :

श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :

श्री एसचोस :

श्री विश्वनाथ मेहनत :

श्री उमानाथ :

श्रीमती सुशीला चौपालम :

श्री स० जो० बनर्जी :

श्री मधु सिन्धु :

श्री विभूति मिश्र :

श्री क० ना० सिन्धारी :

क्या प्रश्न मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कबीर समिति ने यह मुद्दा प्रिंट किया है कि भारतीय सांख्यिकी संस्था को स्वतंत्रतामार्गी निकाय बनाया जाये ;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस बारे में क्या निर्णय किया है ; और

(ग) इस समिति में और क्या क्या निष्कारिणों की है तथा उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

प्रधान मंत्री तथा अन्नाहनुम मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) रिपोर्ट की प्रतियाँ संसदीय पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। समिति की निष्कारिणों पर सरकार विचार कर रही है। रिपोर्ट की एक प्रति संस्थान के अध्यक्ष के पास भेज दी गई है और उनसे अनुरोध किया गया है कि इस पर संस्थान द्वारा की गई कार्यवाही से सरकार को अवगत करावे।